आईसीएआर-डीएमएपीआर, आणंद, गुजरात में जल ब्राह्मी पर प्रक्षेत्र दिवस कार्यक्रम (12/06/2020)

किसान की आजीविका और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए "जल ब्राह्मी की खेती" पर भाकृअनुप-औषधीय एवं सगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय (DMAPR) प्रक्षेत्र दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम डीबीटी-किसान हब परियोजना (चरण-1) के तहत डॉ. पी. एल. सारण द्वारा 12/6/2020 के दौरान जल ब्राह्मी के FLDs / QPM के वितरण से पहले चयनित किसानों के व्यावहारिक प्रदर्शन के लिए आयोजित किया गया। गुजरात एक पारंपरिक तम्बाकू, सब्जी, चावल और गेहूँ का क्षेत्र है, जो महत्वपूर्ण औषधीय एवं सगंधीय पादपों जैसे, जल ब्राह्मी, सतावरी, तुलसी, अश्वगंधा, कलमेघ से अलग है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन कोविड-19 महामारी के मद्देनजर सामाजिक दूरी का पालन और फेस मास्क के साथ चयनित 16 किसानों के लिए आईसीएआर-डीएमएपीआर कॉम्प्लेक्स में किया गया। डॉ. पी. एल. सारण ने इस योजना की शुरुआत की और गुजरात के निचले इलाकों में जल ब्राह्मी की टिकाऊ खेती पर व्याख्यान दिया। इसके बाद परियोजना के पीआई डॉ. सत्यजित रॉय, ने स्वास्थ्य मुद्दों और इसके प्रबंधन पर औषधीय पौधों के उपयोग पर जोर दिया। डॉ. मणिवेल ने किसानों की स्थिरता के लिए अश्वगंधा की गुणवत्ता के उत्पादन पर एक संक्षिप्त बात की। कुल मिलाकर, जल ब्राह्मी की खेती के सभी पहलुओं का अभ्यास प्रक्षेत्र की स्थिति के तहत किया गया। डॉ. देवेंद्र सिंह द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

स्रोत: कृषि ज्ञान प्रबंधन इकाई भाकृअनुप-औषधीय एवं सगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय, आणंद,गुजरात |